लाला हरजसराय स्मृति ग्रन्थ (फोल्डर नं. ९२०१५)

सम्पादक - डॉ. सागरमल जैन

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

विषयानुक्रमणिका

बायोग्राफी

यशनिर्लिप्त जैनविद्या के निष्काम सेवक – सागरमल जैन, उमेशचन्द्र सिंह ---------- १

सन्निष्ठ कार्यकर्ता लाला श्री हरजसरायजी – दलसुखभाई मालवणिया ---------- ९

बाबू हरजसराय जी–एक प्रामाणिक व्यक्तित्व – गुलाबचन्द्र जैन ---------- ११

श्री हरजसराय जैन-एक समर्पित व्यक्तित्व – हरीशचन्द्र जैन ----------१२

Lala Harjas Rai-Life and Ideals – S. L. Khanna---------- 13

Harjas Rai Jain-A Man of Cleaner Public Life – G. R. Sethi---------- 17

English Section

Jaina Tradition of Tirthankaras – Vilas A Sangave ---------- 19

Contemporary Relevance of Triratna Ideal of Jainism – L K L Sristava---------- 25

Jainas Concept of Substance – N K Singh---------- 30

Jaina Theory of Paroksa Jnana – Goura Hajra ---------- 36

The Philosophical Foundation of Religious Tolerance in Jainism – Sagarmal Jain------- 43

Religion of Man – Jagdish Sahai---------- 57

हिन्दी विभाग

विशेषावश्यकभाष्य के पाठान्तरों, उत्कीर्ण प्राचीन अभिलेखों.... – के. आर. चन्द्र ---------- ६५

जैन आगमों में निहित गणितीय अध्ययन के विषय – अनुपम जैन, सुरेशचन्द्र अग्रवाल ------ ७५

जैनधर्म में नैतिक और धार्मिक कर्त्तव्यता का स्वरूप – सागरमल जैन---------- ८९

अप्रकाशित प्राकृत शतकत्रय-एक परिचय – प्रेम सुमन जैन ---------- ९३

पाण्डव पुराण में राजनैतिक स्थिति – रीता बिश्नोई ---------- ९९

जैन निर्वाण-परम्परा और परिवृत्त – ईश्वर दयाल---------- १०७

व्यावहारिक जीवन में नाम, रूप, स्थापना और प्रतीक – विश्वनाथ पाठक ---------- ११६

दशरूपक और नाट्यदर्पण में रस स्वरूप एवं निष्पत्ति-एक तुलनात्मक विवेचन – काजी अज्जुम सैफी ---------- १२३

खजुराहो का पार्श्वनाथ मन्दिर-ब्राह्मण एवं जैन धर्मों के समन्वय का मुर्तरूप – मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी ---------- १४४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org